सीएमपीडीआइ ने लागू की इ-प्रोक्योरमेंट

Prabhat Khabar - 10/5/2013

कंपनी ने खरीदारी के लिए बनाये विभाग

वरीय संवाददाता ■ रांची

सीएमपीडीआइ पूरी तरह इ-प्रोक्योरमेंट लागू करनेवाली देश की पहली कंपनी बन गयी है. कंपनी में इ-प्रोक्यूरमेंट और इ-प्रबंधन विभाग बनाया गया है, जिसके माध्यम से अब कोई भी खरीदारी होगी. कंपनी के सीएमडी एके देबनाथ ने गुरुवार को यह जानकारी प्रेस को दी. उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य खरीद में पूरी तरह पारदर्शिता बरतना है. इससे टेंडर में हिस्सा लेनेवालों को भी फायदा होगा.

अब तक यह देखने को मिला है कि किसी भी प्रोडक्ट की कीमत में 10 फीसदी तक कम रेट कोट किया जा रहा है. इ-टेंडर में टेंडर निकालने से लेकर आपूर्ति आदेश देने तक की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी. टेंडर में हिस्सा लेनेवालों को जानकारी भी ऑनलाइन ही दी जायेगी. इससे टेंडर मैनेज करने की संभावना नहीं के बराबर होगी. इसकी शुरुआत कंपनी ने एनसीएल, सिंगरैली में कोल हैंडलिंग प्लांट के लिए टेंडर निकाल कर कर दी है.

कंपनी के सीएमडी ने कई महत्वपूर्ण जानकारी दी.

नौ लाख मीटर ड्रिलिंग का लक्ष्य

श्री देबनाथ ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में नौ लाख मीटर ड्रिलिंग का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की ड्रिलिंग (5.63 लाख मीटर) से बहुत अधिक है. कंपनी ने तय किया है कि इसे हर हाल में पूरा किया जायेगा. ड्रिलिंग क्षमता बढ़ायी जायेगी. आउटसोर्सिंग से भी काम कराया जायेगा. पिछले साल छह राज्यों में फैले 22 कोयला क्षेत्रों के 102 कोल ब्लॉक में ड्रिलिंग की गयी. इसमें 3.3 बिलियन टन कोयला भंडार पता चला है. कंपनी अभी 90 प्रोजेक्ट पर काम कर रही है.

सोलर एनर्जी के लिए एमओयू

कंपनी ने अपने परिसर में सोलर एनर्जी लगाने के लिए गुजरात की एक कंपनी जर्मी के साथ करार किया है. इससे परिसर में बिजली की 40 फीसदी जरूरत पूरा की जा सकती है. इसका सर्वे भी गुजरात की कंपनी ने आकर किया है.

अफगानिस्तान की टीम आयेगी

अफगानिस्तान की 25 सदस्यीय एक टीम इसी माह सीएमपीडीआइ आयेगी. टीम दो दिन यहां रहेगी और प्लांट का दौरा भी करेगी. यहां कोयला की संभावना पर भी विचार करेगी.